भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1148
उत्तर देने की तारीख 01.08.2024

राष्ट्रीय अभिलेखागार के संसाधनों का डिजिटलीकरण

1148. श्री कार्तिकेय शर्मा :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय अभिलेखागार के संरक्षण में सभी दस्तावेजों, छवियों, वीडियो, फाइलों आदि का डिजिटलीकरण किया गया है, यदि हां, तो डिजिटलीकृत किए गए डेटा के प्रकार और मात्रा का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या इन फाइलों को वेब पोर्टल के माध्यम से जनता के लिए मुफ्त में उपलब्ध कराया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो क्या सरकार कुछ महत्वपूर्ण अभिलेखों, जैसे आपातकालीन युग के अभिलेखों आदि को मुफ्त में उपलब्ध कराने पर विचार करेगी, और
(ग) क्या सरकार आम जनता के लिए सामग्री की खोज और उसे देखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआर/वीआर/एआई जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की योजना बना रही है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) द्वारा विगत तीन वर्षों में अपने अभिलेखों के 4.5 करोड़ पृष्ठों के डिजिटलीकरण का चरण I पूरा किया जा चुका है। एनएआई द्वारा 2024 में, वर्तमान अपने अभिलेखीय संग्रह में मौजूद 30 करोड़ पृष्ठों (लगभग) को 2 वर्ष की अवधि में डिजिटलीकृत करने के लिए एक और परियोजना आरंभ की गई है।

स्कैन किए गए डिजिटलीकृत दस्तावेज पोर्टेबल डॉक्यूमेंट फॉरमेट फॉर आर्काइवल (पीडीएफ-ए), ज्वाइंट फोटोग्राफिक एक्सपर्ट्स ग्रुप (जेपीईजी) और टैग्ड इमेज फाइल फॉरमेट (टीआईएफएफ) प्रारूप में हैं। पीडीएफ-ए में डिजिटलीकृत दस्तावेजों को हॉट क्लाउड स्टोरेज पर होस्ट किए गए केन्द्रीकृत पोर्टल पर और पीडीएफ-ए, जेपीईजी और

टीआईएफएफ को भी अभिलेखीय क्लाउड स्टोरेज में संग्रहित किया जाता है। एक प्रति को बैकअप के रूप में लीनियर टेप ऑपरेशन (एलटीओ) पर संग्रहित किया जाता है।

(ख): सभी डिजिटलीकृत दस्तावेज https://www.abhilekh-patal.in खोज पोर्टल पर सार्वजनिक रूप से उपयोग हेतु नि:शुल्क उपलब्ध हैं। उक्त पोर्टल पर वर्तमान में 1,87,031- यूनीक विजिटर, 13,86,833- वेबसाइट हिट्स, 28,199- पंजीकृत उपयोगकर्ता, 39,81,383- संदर्भ मीडिया, 5,92,279-डिजिटलीकृत अभिलेख, 3,38,18,191- डिजिटलीकृत पृष्ठ मौजूद हैं।

(ग): आम जनता के लिए सामग्री की खोज और उसे देखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एनएआई, खोज पोर्टल अर्थात https://www.abhilekh-patal.in के भावी संस्करणों में, एनएआई कृत्रिम मेधा (एआई) और समय-समय पर उपलब्ध नवीनतम प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाएगा।

***